चोरों ने 120 ट्रांसफॉर्मरों से चुराया 88,000 लीटर तेल

नई दिल्लीः 15 सितंबर। चोरों के गैंग ने पिछले चार महीनों के भीतर बीएसईएस के 40 लाइव ट्रांसफॉर्मरों से 28,000 लीटर तेल की चोरी कर ली। पिछले डेढ़ साल में 120 लाइव ट्रांसफॉर्मरों से 88,000 लीटर तेल की चोरी हुई है। चोरी की इन घटनाओं से एक ओर जहां उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है, वहीं दूसरी ओर इससे बीएसईएस को भी लाखों का नुकसान हुआ है।

ट्रांसफॉर्मरों से तेल की चोरी होने की वजह से ट्रांसफॉर्मर अचानक काम करना बंद कर देते हैं और फिर उन्हें फिर से चलाने में काफी वक्त लग जाता है। कई मामलों में, तेल चोरी होने के कारण ट्रांसफॉर्मर बिल्कुल बैठ जाते हैं और मरम्मत के लायक भी नहीं रहते। चोरी के कारण तेल बिखरे होने से लाग लगने की आशंका भी रहती है। तेल चोरी की लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए बीएसईएस ने विभिन्न पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराई है।

ताजा घटना पूर्वी दिल्ली के सुभाष मोहल्ला की है, जहां चोर एक ट्रांसफॉर्मर से तेल की चोरी कर रहे थे। लेकिन, स्थानीय नागरिकों की सतर्कता की वजह से चोर रंगे हाथों पकड़े गए, और उन्हें उसी वक्त पुलिस के हवाले दिया गया। चोरों को मंडोली जेल भेज दिया गया है।

पिछले कुछ महीनों के दौरान पूर्वी व मध्य दिल्ली के मानसरोवर पार्क, जीटीबी एन्क्लेव, नंद नगरी, शास्त्री पार्क, जाफराबाद, जगतपुरी, सुभाष मोहल्ला, कल्याणपुरी, विनोद नगर और रानी झांसी मार्ग स्थित ट्रांसफॉर्मरों से चोरों ने तेल की चोरी कर ली। वहीं, दक्षिण व पश्चिम दिल्ली के द्वारका, मायापुरी, जनकपुरी, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, मुंडका, टैगोर गार्डन, विकासपुरी, नजफगढ़ और ओखला स्थित ट्रांसफॉर्मरों से तेल चोरी की घटनाएं सामने आई हैं।

तेल चोरी की घटनाएं आम तौर पर उन इलाकों में हो रही है, जहां ड्रग एडिक्ट्स अधिक संख्या में रहते हैं। वे तेल की चोरी कर उसे मार्केट में बेच देते हैं। यह तेल कूलेंट के तौर पर इस्तेमाल होता है।

ये चोर इतने शातिर थे कि वे लाइव ट्रांसफॉर्मरों से तेल की चोरी कर रहे थे। यानी, ऐसे ट्रांसफॉर्मर, जो बिजली सप्लाई कर रहे थे और उनमें उस वक्त भारी करंट दौड़ रहा था। खास बात यह है कि इन ट्रांसफॉर्मरों के इर्द–गिर्द लोहे की जालियां लगी हुई हैं और गेट पर ताले भी लगे हुए हैं।

इधर, बीएसईएस ने विजिलेंस बढ़ा दी है। सर्विलांस टीम के अलावा, क्विक रेस्पॉन्स टीम भी तैनात की गई हैं, ताकि तेल चोरों के गैंग पर नजर रखी जा सके। साथ ही, नागरिक संगठनों से भी मदद ली जा रही है। बीएसईएस ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने आसपास के ट्रांसफॉर्मरों व बिजली उपकरणों पर नजर रखें और कुछ भी शक होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें या बीएसईएस को बताएं।

प्रमुख बिजली वितरण कंवनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।